माँ जिनवाणी तेरो नाम...

(पण्डित श्री राजेन्द्रकुमार जैन, जबलपुर)

माँ जिनवाणी तेरो नाम, सारे जग में धन्य है।
तेरी उचारै आरती माँ, तेरो नाम धन्य है ॥ टेक ॥

ज्ञान की ज्योति तू ही जलाती।
भक्तों को भगवान तू ही बनाती।
अमृत पिलाती, मारग दिखाती, तेरो नाम धन्य है।
माँ जिनवाणी ॥1 ॥

अरिहन्त भाषित जिनवाणी प्यारी
गणधर ऋषि और मुनियों ने धारी ॥
जीवन की नैय्या को तू तारती माँ, तेरो नाम धन्य है।
माँ जिनवाणी ॥2 ॥

तेरे श्रवण से है महिमा समायी।
चैतन्य चैतन्य की धुनि आई ॥
संतों के हृदय को, ईश्वर के घर को, तेरे गुंजाते छंद हैं।
माँ जिनवाणी ॥3 ॥

सुनने से संसार का रस शिथिल हो।
गुनने से ज्ञायक का मंगल मिलन हो।
तुमको नमन है, तुमको नमन है, तेरो नाम धन्य है।
माँ जिनवाणी ॥4 ॥